लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1553
28 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

नवकालीन प्राकृतिक रेशों का मूल्यांकन और संवर्धन

1553. श्री राव राजेन्द्र सिंह:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि राजस्थान में नवकालीन प्राकृतिक रेशों, विशेषकर आक के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं, जो पूरे राज्य में प्रचुर मात्रा में उगता है और जिसे कपड़ा उत्पादन के लिए उपयुक्त रेशे के रूप में ढाला जा सकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या इस क्षमता का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन/सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) आक, केले के रेशे, बांस के रेशे और सन जैसे नवकालीन/वैकल्पिक रेशों के अनुसंधान, विकास और वाणिज्यिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन और अन्य संबद्ध योजनाओं के अंतर्गत सरकार द्वारा की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या राजस्थान में आक के रेशे के निष्कर्षण और प्रसंस्करण के लिए कोई प्रायोगिक परियोजनाएं, क्लस्टर विकास कार्यक्रम या औद्योगिक प्रणाली स्थापित की गई हैं या किए जाने का विचार है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): संपूर्ण राजस्थान राज्य में मिल्कवीड की खेती और संग्रह की महत्वपूर्ण क्षमता है। सरकार ने उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (निटरा) के माध्यम से मिल्कवीड को स्लीपिंग बैग, जैकेट, मोजे, तौलिये, स्वच्छता उत्पादों, तेल अवशोषक, विगन लैदर, मेडिकल टेक्सटाइल्स आदि के उत्पादन के लिए उपयुक्त बनाने हेतु व्यापक अनुसंधान और विकास प्रौद्योगिकियों का कार्य किया है।

(ग): राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीएमएम) के तहत, न्यू एज फाइबर के अनुसंधान, नवाचार, मानकीकरण, प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए 8 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। निटरा ने न्यू एज/वैकल्पिक फाइबर के व्यावसायीकरण और मूल्य श्रृंखला विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, राज्य सरकारों और सामुदायिक संगठनों के साथ भी साझेदारी स्थापित की है। सरकार ने कपास क्रांति मिशन के घटक -3 के तहत न्यू एज फाइबर के अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए 300 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को भी मंजूरी दी है।

(घ): सरकार ने निटरा के माध्यम से राजस्थान में महिला स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध मिल्कवीड पॉड्स के संग्रहण संबंधी पायलट गतिविधियाँ प्रारंभ की हैं, ताकि फाइबर उत्पादन के लिए कच्ची सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके तथा रोजगार सृजन एवं आजीविका के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा, निटरा ने मिल्कवीड आधारित उत्पादों के विकास एवं व्यावसायीकरण के लिए अग्रणी वस्त्र कंपनियों के साथ औद्योगिक सहयोग स्थापित किया है तथा समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

******